NBT

लखनऊ विश्वविद्यालय में शुरू होगा होटल मैनेजमेंट कोर्स

नए सत्र से होगी कोर्स की शुरुआत, 60 सीटों पर लिए जाएंगे दाखिले

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

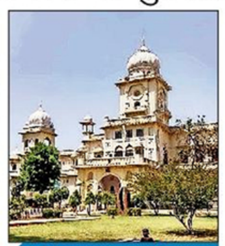

लखनऊ विश्वविद्यालय होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग की भी पढ़ाई करवाएगा। इसके लिए आगामी सत्र से विवि में नया पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए विवि नए सत्र से बैचलर्स इन होटल मैनेजमेंट ऐंड कैटरिंग टेक्नॉलजी' (BHMCT) पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कोर्स में कुल 60 सीटें हैं, जिन पर विवि की ओर से दाखिले लिए जाएंगे। सोमवार विवि के इंस्टिट्यूट ऑफ टूरिजम स्टडीज में बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक हुई, जिसमें इस कोर्स को शुरू करने पर मुहर लगाई गई है। लखनऊ के किसी भी राज्य विश्वविद्यालय में अब तक यह पाठ्यक्रम संचालित नहीं हो रहा है। एलयू पहला विवि है जो होटल मैनेजमेंट में यह कोर्स शुरू करेगा।

एलयू का इंस्टिट्यूट ऑफ टूरिजम स्टडीज न्यू कैंपस में संचालित होता है जिसमें अब तक बीबीए टूरिजम और एमबीए टूरिजम कोर्स चल रहा है। चूंकि होटल मैनेजमेंट भी हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ पाठ्यक्रम है, ऐसे में इसे भी अब एलयू में शुरू किया जा रहा है। इंस्टिट्यूट की निदेशक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि इस कोर्स में कुल 60 सीटों पर इस साल दाखिले लिए जाएंगे। हमने इस कोर्स पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है जबकि इंस्टिट्यूट में इसके लिए लैब भी तैयार है। सेल्फ फाइनैंस मोड में इस पाठ्यक्रम को चलाया जाएगा जिसकी फीस व दाखिले की प्रक्रिया जल्द ही जारी की जाएगी। विवि की ओर से सेंट्रल ऐडमिशन टेस्ट के माध्यम से ही इसमें दाखिले होंगे।

'होटल इंडस्ट्री का हो रहा विस्तार'

डॉ. अनुपमा ने बताया कि होटल इंडस्ट्री का तेजी से विस्तार हो रहा है। यूपी समेत लखनऊ में ही कई बड़ी इंटरनैशनल होटल चेन यहां आ चुकी है। ऐसे में इंप्लायमेंट के नजरिये से भी यह कोर्स काफी बेहतर है। छात्रों को रोजगार के लिए भी कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा। हमारी योजना है कि इस कोर्स से होटल इंडस्ट्री को भी जोड़ा जाए। छात्रों को बेसिक नॉलेज तो हो ही सकेगी। साथ ही रोजगार भी आसानी से मिल सकेगा।

IET से 16 तो एलयू से 26 ने क्वॉलिफाई किया GATE

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

AI Image

इंजिनियरिंग की पीजी सीटों पर दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजिनियरिंग (GATE) 2026 का रिजल्ट जारी हो गया है। इसमें शहर में 100 से अधिक छात्रों ने यह परीक्षा क्वॉलिफाई की है। अकेले लखनऊ विश्वविद्यालय से 26 छात्र इस परीक्षा में चयनित हुए हैं तो वहीं एकेटीयू के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग ऐंड टेक्नॉलजी से 16 छात्रों ने यह परीक्षा क्वॉलिफाई किया है। आईईटी के निदेशक प्रो. विनीत कंसल ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड कम्युनिकेशन की छात्रा इब्रा खान ने गेट में ऑल इंडिया 124वीं रैंक हासिल की जबकि अरुण कुमार शाह ने एनवायरनमेंट ब्रांच से AIR 153 रैंक हासिल की है। इसी तरह अमन आर्य की 238, हर्ष द्विवेदी की 595, अभिजीत बल्लभ की 402 रैंक समेत 16 छात्र चयनित हुए हैं। वहीं लखनऊ यूनिवर्सिटी से 26 चयनित हुए हैं, जिसमें कंप्यूटर साइंस इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शाखाओं के छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था। इसमें छात्र लक्ष्य सक्सेना ने 212वीं रैंक हासिल की है। एलयू वीसी प्रो. जेपी सैनी की ओर से छात्रों को बधाई दी गई है। वहीं लखनऊ के रहने वाले गौरांग रंजन सिंह ने 362वीं रैंक ('डेटा साइंस एवं आर्टिफिशल इंटेलिजेंस' (DA) में) हासिल की है। वह IIIT सोनीपत में कंप्यूटर साइंस बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र हैं। गौरांग के पिता अभय रंजन सिंह यूपी शासन के गृह विभाग में अनु सचिव हैं।

HINDUSTAN

समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से संभव: प्रो. जेपी सैनी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि एलयू कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि समस्याओं का समाधान संवाद और सामूहिक प्रयासों से संभव है। उन्होंने अपने स्वयंसेवक जीवन के अनुभव साझा करते हुए एनएसएस कार्यों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने आभार व्यक्त किया।

स्वयंसेवकों के पंजीकरण और सहभागिता पर चर्चा

गोरखपुर विवि के डॉ. सत्यपाल पाल सिंह ने स्वयंसेवकों के पंजीकरण व सहभागिता पर चर्चा की। बीबीएयू की प्रो. पूनम तिवारी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म 'माय भारत' और रुहेलखंड विवि के प्रो. सोमपाल सिंह व डॉ. गौरव ने दस्तावेजीकरण और डिजिटल डाटा प्रबंधन पर बात की। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और बीएचयू के डॉ. बाला लखेंद्र ने नशामुक्त भारत विषय पर बात रखी।

द्वितीय सेमेस्टर का शुल्क 27 तक जमा करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी 27 मार्च तक अपना प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। इस बाबत कुलसचिव की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने जारी सूचना में कहा है कि संबंधित छात्र-छात्राएं विभागाध्यक्ष या संकायाध्यक्ष के माध्यम से विश्वविद्यालय के यूडीआरएस पोर्टल पर लॉगिन कर निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा करना सुनिश्चित करें।

नौकरी के लिए 22 तक करें आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से छात्रों के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिसके तहत एसएलएमजी बेवर्जेस प्रा.लि. में फील्ड ऑडिटर पद पर भर्ती शुरू की गई है। इसके लिए बीकॉम विद्यार्थी 22 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। सीपीसी निदेशक प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय का कहना है कि इच्छुक छात्र आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा 27 मार्च को गांधी फेलोशिप के सहयोग से नेतृत्व विकास सत्र आयोजित होगा, जिसमें आधुनिक नेतृत्व कौशल सिखाए जाएंगे।

DAINIK JAGRAN

गेट-2026 की परीक्षा में छाए शहर के होनहार विद्यार्थी

जासं • लखनऊ : आईईटी, एनआइटी सहित देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में एम.टेक व पीएच.डी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हुई ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट)-2026 परीक्षा में राजधानी के काफी छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है। इनमें इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (आइईटी) लखनऊ के 65 से अधिक और लखनऊ विश्वविद्यालय के 26 छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी है।

आइईटी लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल ने बताया कि गेट परीक्षा में संस्थान के इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी से इबा खान ने अखिल भारतीय स्तर पर 124वीं, अमन आर्य ने 238 और हर्ष द्विवेदी ने 595 रैंक हासिल की। कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी से अभिजीत बल्लभ ने 402 रैंक सहित विभाग के 16 विद्यार्थियों ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा शिवा पाठक ने 835वीं एवं शुभ पाण्डेय ने इंस्ट्रूमेंटेशन में 356वीं रैंक प्राप्त की। विद्युत विभाग के आठ अन्य छात्र-छात्राओं ने भी गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। सिविल इंजीनिरिंग विभाग के अरुण कुमार शाह ने एनवायरनमेंट ब्रांच से 153वीं रैंक हासिल की है। इनके सहित विभाग के अन्य आठ छात्रों ने गेट परीक्षा पास की। केमिकल अभियांत्रिकी विभाग के अग्रिमा पटेल ने 702 रैंक के साथ सात अन्य छात्रों ने सफलता पाई। इसी तरह यांत्रिक अभियांत्रिकी के अक्षत पांडे ने 429, प्रखर गुप्ता ने 563 सहित 12 अन्य विद्यार्थियों ने भी परीक्षा उत्तीर्ण की है।

लवि के छात्र लक्ष्य को 212 रैंक : गेट परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय से 26 विद्यार्थियों को सफलता मिली है। तीसरे वर्ष के छात्र लक्ष्य सक्सेना ने 212वीं, रूपेश कुमार 3781, प्रिंसी बल्लभ 4817, शिवपाल यादव 5899 और अन्य छात्रों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। महिला छात्रों का योगदान भी उल्लेखनीय रहा। सान्योगिता पांडेय, पूरवी मालवीय, आलिया हैदर, स्नेहा गुप्ता, प्रगति त्रिपाठी और अन्विता सिंह आदि छात्राओं ने सफलता पाई है।

गेट परीक्षा में गौरांग ने पाई 362 रैंक : राजधानी के रहने वाले और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, सोनीपत के कंप्यूटर साइंस तीसरे वर्ष के छात्र गौरांग सिंह ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) परीक्षा में सफलता हासिल की है। गौरांग को डेटा साइंस एवं एआइ (डी ए) में आल इंडिया 362 रैंक और कंप्यूटर साइंस में 5159 रैंक मिली है। गौरांग के पिता अभय रंजन सिंह उत्तर प्रदेश गृह विभाग में अनुसचिव के पद पर कार्यरत हैं। गौरांग ने सफलता का श्रेय वरिष्ठ शिक्षक डा. अभिषेक कौशिक और अपने माता-पिता को दिया है। वि.

गौरांग

आईईटी लखनऊ के 65 और लखनऊ विश्वविद्यालय के 26 विद्यार्थियों ने मारी बाजी, सफलता का श्रेय गुरु और परिजन को

आइआइटी जैम परीक्षा में लखनऊ के मनप्रियम को 45वीं रैंक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र मनप्रियम ने आइआइटी जैम (ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट फार मास्टर्स) प्रवेश परीक्षा में आल इंडिया 45वीं रैंक हासिल कर राजधानी का मान बढ़ाया है। बी.एससी छठे सेमेस्टर के छात्र मनप्रियम ने गणित विषय में आइआइटी जैम की परीक्षा दी थी। गुरुवार के इसके परिणाम जारी हुए, जिसमें उन्हें यह सफलता मिली। इस परीक्षा के जरिए आइआइटी संस्थानों में मास्टर्स कोर्सों में प्रवेश का मौका मिलता है। मनप्रियम का कहना है कि गणित की उत्कृष्ट उच्च शिक्षा और शोध के लिए देश के शीर्ष संस्थान में दाखिला मिलने का अवसर मिला है। मनप्रियम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है। राजधानी के आलम बाग के हिंद नगर के रहने वाले मनप्रियम की माता पंखुड़ी सिंह गृहिणी और पिता यदुनाथ सिंह मुरारी पत्रकार हैं। उपलब्धि पर सफल छात्र के शिक्षकों और साथियों ने बधाई दी है। वि.

द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी 27 तक जमा करें शुल्क

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष दूसरे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को 27 मार्च तक अपना प्रवेश शुल्क जमा करने का मौका दिया है। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा की ओर से जारी पत्र के अनुसार छात्र-छात्राएं अपने विभागाध्यक्ष या संकायाध्यक्ष से विवि के यूडीआरएस पोर्टल पर लागिन कर निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा कर सकते हैं। वि.

कल तक करें आवेदन

लखनऊ : लवि के प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि एसएलएमजी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड में भर्ती के लिए 22 मार्च तक आवेदन का मौका है।

AMRIT VICHAR

एनएसएस में विभिन्न विषयों पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के समन्वयकों, अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने रासेयो की चुनौतियों और समाधान पर विचार साझा किए। क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना ने राष्ट्रीय उपयोगिता पर प्रकाश डाला, वहीं मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। तकनीकी सत्रों में पंजीकरण, डिजिटल जुड़ाव, डाटा प्रबंधन और क्रियान्वयन संबंधी मुद्दों पर प्रस्तुतियां दी गईं। नशा मुक्त भारत विषय पर विशेषज्ञों ने युवाओं में बढ़ती लत पर चिंता जताई और जनजागरूकता बढ़ाने की अपील की। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से राष्ट्रभावना विकसित करने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया।

लविवि के 26 छात्रों को मिली गेट में कामयाबी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संकाय ने राष्ट्रीय स्तर पर नया अध्याय जोड़ा है। प्रतिष्ठित ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग 2026 में संकाय के कुल 26 छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। इनमें से कई छात्रों ने उल्लेखनीय ऑल इंडिया रैंक हासिल किया है। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शाखाओं के छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया। तीसरे वर्ष के छात्र लक्ष्य सक्सेना ने 212वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त कर संकाय का नाम रोशन किया है। महिला छात्रों का योगदान भी उल्लेखनीय रहा जिसमें सान्योगिता पांडेय, पूरवी मालवीय, आलिया हैदर, स्नेहा गुप्ता, प्रगति त्रिपाठी और अन्विता सिंह जैसी छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है।

AMAR UJALA

गेट परीक्षा में चमके लविवि के 26 सितारे

माई सिटीरिपोर्टर

लखनऊ। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट 2026) में लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के विद्यार्थियों ने कामयाबी पाई है। संकाय के 26 विद्यार्थी सफल रहे हैं। इनमें से कई ने ऑल इंडिया रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

लक्ष्य सक्सेना ने हासिल की ऑल इंडिया 212वीं रैंक

परीक्षा में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शाखाओं के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र लक्ष्य सक्सेना ने ऑल इंडिया 212वीं रैंक हासिल कर संकाय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। रूपेश कुमार (एआईआर 3781), प्रिंसी बल्लभ (एआईआर 4817) और शिवपाल यादव (एआईआर 5899) ने भी अच्छी रैंक पाई है।

छात्राओं में सान्योगिता पांडेय, पूरवी मालवीय, आलिया हैदर, स्नेहा गुप्ता, प्रगति त्रिपाठी और अन्विता सिंह ने परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध संस्थानों में प्रवेश और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। डाटा साइंस में लखनऊ के गौरांग रंजन सिंह ने ऑल इंडिया 362वीं रैंक हासिल की है। उनके पिता उप्र. शासन में गृह विभाग में अनुसचिव हैं।

आईईटी लखनऊ के विद्यार्थी भी छाए

लखनऊ। आईईटी लखनऊ के 65 से अधिक विद्यार्थियों ने गेट 2026 में सफलता पाई है। इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं से परीक्षा उत्तीर्ण की है। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी से इबा खान चौहान ने ऑल इंडिया 124वीं, अमन आर्य ने 238वीं और हर्ष द्विवेदी ने 595वीं रैंक पाई है। कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी से अभिजीत बल्लभ सहित 16 ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर विनीत कंसल ने बधाई दी है। (ब्यूरो)

DAINIK JAGRAN

'1.58 करोड़ बच्चे और युवा नशे के शिकार'

लखनऊ : भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र हैं, जिसमें 1.58 करोड़ बच्चे से युवा नशे के शिकार हैं। देश में लगभग 20 खरब रुपए प्रतिवर्ष नशे में खर्च हो जाता हैं। उत्तर प्रदेश की बात करें तो 3.86 करोड़ लोग शराब के नशे के शिकार हैं और कुल 5.6 करोड़ लोग नशे से ग्रस्त हैं। सामाजिक समस्या में संगत, सोशल मीडिया और वेबसीरीज से प्रभाव के बारे में बताया एवं बेरोजगारी से ड्रिंशेलन नशे के लिए मजबूर बना देती हैं, रिश्तेदारी में हास, लोगों से टकराव जिसके कारण व्यक्ति नशे को अपनाता हैं। यह बात बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से डा. बाला लखेंद्र ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो जेपी सैनी • सौ तहि

मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने समस्याओं को हल करने, लोगों से वार्तालाप के माध्यम से इन्हें दूर करने के प्रयास पर जोर दिया। राज्य संपर्क अधिकारी डा. मंजू सिंह ने मुख्य अतिथि एवं युवा अधिकारी कोमल सिंह का आभार जताया। एनएसए के पूर्व राज्य संपर्क अधिकारी सत्येंद्र ने कहा कि एक शिक्षक बनकर हम छात्रों से इतना आत्मीय नहीं हो पाते, जितना राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी के कार्यकाल में हो जाते हैं। जिज्ञासु स्वयंसेवक ही राष्ट्र की सच्ची सेवा कर सकते हैं और प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। पूर्व मंत्री कौशल किशोर ने भी अपने विचा रखे। क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना ने सभी आमंतुकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों का एनएसएस की राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगिता बताई। वि.

AMRIT VICHAR

धतूरे की पत्तियों से रुकेगी ट्यूमर की ग्रोथ

लविवि छात्रा के शोध में दिखी बचाव की उम्मीद, कैंसर कोशिकाओं पर किया गया प्रयोग रहा बेहद सफल

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: आयुर्वेद में कहा गया है कि नास्ति मूलं अनौषधं अथार्त कोई वनस्पति नहीं जिसकी औषधि न बनती हो। भगवान शिव को प्रिय धतूरा का पौधा भी ऐसे ही चमत्कारिक गुणों से भरा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान की छात्रा डॉ. प्रियंका अग्रवाल के शोध में इस पौधों को लेकर चौंकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। शोध के अनुसार धतूरे की पत्तियों से बनाए गए एसेंशियल ऑयल में कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की अद्भुत क्षमता है। धतूरे की पत्तियों में फाइटोल नामक कंपाउंड पाया जाता है जो एंटी ऑक्सीडेंट होने के साथ ही एंटी कैंसर गुणों से भरपूर होता है जो ट्यूमर की ग्रोथ रोकने में सक्षम है।

डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध के लिए पीएचडी अवार्ड हुई है। वह बताती है कि क्लीवेंजर्स उपकरण की मदद से उन्होंने धतूरे की पत्तियों के तेल में 36 प्रतिशत 'फाइटोल' कंपाउंड पाया। फाइटोल प्राकृतिक रूप ट्यूमर की ग्रोथ रोकने में सक्षम है। वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण फेफड़े के कैंसर का पता अक्सर एडवांस स्टेज पर चलता है, जिससे इसके उपचार में दिक्कतें आती हैं। धतूरे पर आधारित यह हर्बल उपचार एक सस्ता और और बिना साइड इफेक्ट वाला सुरक्षित विकल्प साबित हो सकता है।

पुणे से मंगाई गई कैंसर कोशिका : क्लीवेंजर्स उपकरण की मदद से धतूरे की पत्तियों में 0.01 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल पाया गया। इस तेल में 36 प्रतिशत 'फाइटोल' कंपाउंड पाया गया। शोध के दौरान 'ए-549' कैंसर सेल लाइन को पुणे के नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज से मंगाया गया। जिसपर धतूरे के तेल का परीक्षण किया गया तो परिणाम बेहद सकारात्मक मिले।

प्रतिवर्ष फेफड़े के कैंसर से 10 लाख मौत: भारत में हर साल फेफड़े के कैंसर के 12 से 18 लाख मामले आते हैं। जबकि उनमें से 25 से 35 प्रतिशत लोग का जीवन ही बच पाता है। देश में प्रतिवर्ष 10 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

धतूरा का पौधा। अमृत विचार

हमारे शोध में यह बात सामने आई कि डोज का सही होना जरूरी है। अधिक मात्रा में उपयोग नुकसानदायक होगा। धतूरे का उपयोग बिना विशेषज्ञ की सलाह के खतरनाक हो सकता है। यदि निर्धारित मात्रा (डोज) से अधिक तेल दिया जाए, तो शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है।

-डॉ. प्रियंका अग्रवाल
लखनऊ विश्वविद्यालय

कैंसर कोशिकाएं 71 प्रतिशत हुई खत्म

- डॉ. प्रियंका अग्रवाल के शोध के दौरान 35 से 55 माइक्रोग्राम प्रति एमएल की निर्धारित डोज देने पर 24 घंटे के भीतर 71 प्रतिशत कैंसर कोशिकाएं मर गईं। इस शोध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह तेल केवल कैंसर कोशिकाओं पर हमला करता है, शरीर की सामान्य कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता।

AMAR UJALA

संवाद से समस्याओं का समाधान संभव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का समापन हो गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि समस्याओं का समाधान संवाद और सामूहिक प्रयासों से संभव है। पूर्व राज्य संपर्क अधिकारी सत्येंद्र ने जिज्ञासा को सच्चे राष्ट्रसेवक की पहचान बताया। गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. सत्यपाल पाल सिंह ने स्वयंसेवकों के पंजीकरण और सहभागिता पर चर्चा की। बीबीएयू की प्रो. पूनम तिवारी ने माय भारत पोर्टल की जानकारी दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

TIMES OF INDIA

LU to introduce new BCA, MSc course in cyber security

Lucknow: Lucknow University's department of computer science will introduce specialised courses in artificial intelligence (AI) and cyber security from the 2026-27 academic session.

According to LU officials, the new programmes include BCA-AI and BCA-cyber security with 60 seats each, MSc in AI/cyber security, and a PG Diploma in cyber security with 30 seats each.

For the undergraduate programmes, students must have either mathematics or computer science in class 12.

For the postgraduate programmes, applicants need to hold a bachelor's degree in computer science, information technology, or any closely related discipline.

This ensures that students already have a foundation in computing before moving on to advanced concepts.

The PG diploma in cyber security is more flexible. It is open to graduates from any stream, provided they have a basic understanding of computers. This means even students without a technical degree can apply.

VC Prof JP Saini has directed that classes of these courses be run in the ONGC building on the main campus. TNN